

पहचानें मन की अद्भुत शक्ति को

अब समय की मांग यही है कि हमें अपने संकल्पों पर ध्यान देकर कार्य करना पड़ेगा। क्योंकि कार्य बहुत गम्भीर है, हल्का नहीं है, इसलिए हमें संकल्पों को भी हल्का नहीं करना है। आने वाले समय में बहुत कुछ ऐसा बदलेगा जिसमें अगर हमने पहले अपने संकल्पों पर ध्यान नहीं दिया होगा तो वो संकल्प वैसे ही चल जायेंगे और वो फलीभूत हो जायेंगे। जिस तरह से हमें रोज़ ये सिखाया जाता है कि नकारात्मक नहीं सोचो, सकारात्मक सोचो। ऐसे हमने जितनी बार भी नकारात्मक संकल्प किये होंगे, कर रहे होंगे या करेंगे, वो सारे कभी न कभी हमारे रास्ते में आड़े आते हैं और हमें तंग भी करते हैं चाहे वो क्षणिक रूप से ही करें, लेकिन करते तो हैं। कुछ हद तक अभ्यास से इसपर काबू पाया जा सकता है लेकिन परमानेंट करने के लिए उसके साथ पैगम्बरों और महात्माओं की तरह तपस्या करनी होगी। एकान्त में बैठकर, एक संकल्प को लेकर अगर हम बार-बार रिपीट करते हैं, इसपर अडिग रहते हैं तो वो निश्चित रूप से फलीभूत होगा ही होगा। माना कि यह कार्य कठिन है, लेकिन मुश्किल नहीं है। समझा जाता है कि मन की ये अद्भुत शक्ति जिसको हम संकल्प कहते हैं, वो जो हर क्षण-हर पल आपसे निकल रहा है। लेकिन जब हम किसी एक संकल्प पर कार्य करते हैं तो उसपर हमारी सारी इन्द्रियां एकाकार होकर एक ही दिशा में कार्य करती हैं, जिससे और चीजें भी ठीक होनी शुरू हो जाती हैं। उदाहरण के लिए दुनिया में सबसे नैचुरल चीज है हमारी सांसें। एक सांस के बाद दूसरी सांस आनी



दूरदृष्टा या कोई महात्मा या कोई रिसर्वर किसी एक बात को लेकर यदि सोचता है तो उसमें सफलता मिलती जाती है। कारण ये नहीं है कि उन्होंने एक दिन में ये कार्य कर लिया, लेकिन उसको करने के लिए उन्होंने काफी समय अपने ऊपर दिया तथा समय-समय पर उस बात के लिए अपने आप को बदला। इम्पूव किया। ऐसे ही हमें भी अपने संकल्पों को लेकर कार्य करना है।

है, ये निश्चित है। जिस प्रकार एक सांस के साथ दूसरी सांस आनी निश्चित है, उसी प्रकार आपने एक संकल्प किया, उसके बाद दूसरे संकल्प आने ही हैं, ये निश्चित है। जैसे आपने एक संकल्प किया कि मैं बुद्धिमान हूँ, स्वस्थ हूँ, तो उस स्वास्थ्य के संकल्प के पीछे जैसे खाने की, कुछ एक्सरसाइज की, नींद की, नियम कानून की, कुछ न कुछ ऐसी बातें याद आती रहेंगी। तो इससे पता चलता है कि एक संकल्प के पीछे हजारों ऐसे संकल्प चलने लग ही जायेंगे। लेकिन यदि वो एक संकल्प नकारात्मक होगा तो सभी संकल्प नकारात्मक ही होंगे। संकल्प भी भेड़ चाल समझता है। एक के पीछे सारे चल पड़ते हैं। इसलिए सावधान होकर भले आप एक संकल्प करो, दो संकल्प करो, लेकिन सकारात्मक करो। ये संकल्प आपको आने वाले समय में मजबूती प्रदान करेंगे। तो हम सभी पाठकों से यही अनुरोध करना चाहेंगे कि जब कभी भी आप कोई ऐसा संकल्प करो तो उसके पीछे वाले संकल्पों पर भी आपको ध्यान देना होगा। चाहे वो नकारात्मक हो या सकारात्मक हो। इससे ही मन को अद्भुत बनाया जा सकता है।

Brahma Kumaris Nagthane HONOURED WITH "India Thai Friendship Award 2019" for "Best NGO for meditation in Western India"

Bangkok (Thailand): AKVK Media, AC Media corporation along with National Institute for Education and Research organized "INDIA THAI FRIENDSHIP AWARD 2019" at The Bangkok Palace, Bangkok, Thailand.



Miss Marisa Phaeckwamfee, Executive vice President Phillip Capital and Dr. Abhiram Kulshreshtha, Director General Of National Institute for Education and Research offered the "INDIA THAI FRIENDSHIP AWARD 2019" to Dr. Bk Dipak Harke, Dr. Bk Suvarna and Medal was Presented to Bk Sister La, National Co-ordinator of Brahma Kumaris Thailand and others members in the presence of Prof. Jaran Maluleem, Head of Indian Studies Programme and Former Advisor to Thai Prime Minister.

ओमशान्ति मीडिया वर्ग पहली-19(2018-2019)

1		2		3		4	5	
				6		7		8
				9		10		
						12		13
14				15				
16		17				18		19
				20		21		22
23						24	25	
						26		
27						28		

ऊपर से नीचे

1. एक से अधिक, कई (3)
2. दिलवाड़ा मन्दिर तुम बच्चों का ही... है (4)
4. कार्य, काम (2)
5. लीन, मग्न (2)
6. अन्तिम, अन्त में (4)
8.से निहाल कौदा स्वामी (3)
10. प्रतिकार, प्रतिशोध (3)
11. काबिल, लायक, अच्छा (3)
13. राजा, शासक, सम्राट (4)
14. परिश्रम, श्रम, प्रयास (4)
17. बलवान, मल्ल, कुशती लड़ने वाला (5)
19. शर्म, हया, इज्जत (2)
20. मिठरा घुर तो... (3)
21. शिक्षा, समझानी, समझ (4)
25. यात्रिक, राही, यात्री (3)

बाएं से दाएं

1. अन्धकार, अंधेरा, तिमिर (4)
3. अमीर, जमींदार, धनवान (4)
7. युक्ति, तरीका (3)
9. कभी अपना खाना नहीं... करना है, बेकार (3)
11. देवता, दिव्य लोग (2)
12. राजसभा, सभा (4)
14. बादल, घटा, नीरद (2)
15. जुकाम, सर्दी (3)
16. हर वक्त, हर समय, हर क्षण (4)
18. दुपट्टा, पश्मीने की चादर का जोड़ा (3)
20. घबराहट, दम घुटने की अवस्था (3)
22. मुस्लिम धर्म का एक मुख्य कर्म, हज्ज (2)
23. द्रव्य, अस्थिर (3)
24. एक समुद्रिक जीव जिससे मोती मिलते हैं (2)
26. औजार, यन्त्र (4)
27. डरावना, भयंकर, उग्र (4)
28. सैकड़, सौ (3)

-ब.कु. राजेश, शान्तिवन



दिल्ली-वसंत विहार। ब्रह्माकुमारीज द्वारा आर.बी.आई. कॉलोनी के कम्युनिटी हॉल में आयोजित 'स्पीरिचुअल रेसॉन्स टू क्रिटिकल टाइम्स' विषयक कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए अशोक कुमार गुप्ता, मैनेजर, आर.बी.आई., अनिल शर्मा, पूर्व विधायक, आर.के. पुरम, संजीव प्रकाश, जनरल मैनेजर, आर.बी.आई., डॉ. प्रमिला श्रीवास्तव, चीफ एडिटर, न्यू दिल्ली टाइम्स, संस्थान के अतिरिक्त महासचिव राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. क्षीरा तथा ब्र.कु. कंचन, सेवाकेन्द्र संचालिका, मोहम्मदपुर।



जौद-हरियाणा। विश्व तन्त्राकू निषेध दिवस पर बस स्टैंड पर लगाई गई व्यसन मुक्ति चित्र प्रदर्शनी में सभी को व्यसन मुक्ति के प्रति जागरूक करते हुए डॉ. रमेश पांचाल, डेंटल सर्जन, सिविल हॉस्पिटल। साथ हैं ब्र.कु. मीणा।



जयपुर-बनीपार्क। विश्व पर्यावरण दिवस पर लक्ष्मण पार्क, शास्त्री नगर में पौधारोपण करने के पश्चात् सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. लक्ष्मी। उपस्थित रहे स्वच्छ भारत अभियान के ब्रांड एम्बेसडर एवं विद्याधर नगर के पार्षद दिनेश कांठ, ब्र.कु. उमा तथा अन्य।



वीवीगंज-फर्रुखाबाद। ज्ञानचर्चा के पश्चात् आई.पी.एस. डॉ. अनिल कुमार मिश्रा व सी.डी.ओ. डॉ. राजेन्द्र पैन्सियां, आई.ए.एस. को माउंट आबू आने का निमन्त्रण देते हुए ब्र.कु. मंजू।



गाया-सिविल लाइन(बिहार)। विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में पौधारोपण करने के पश्चात् ईश्वरीय स्मृति में ब्र.कु. शीला, झारखण्ड हाईकोर्ट एडवोकेट उपेन्द्र प्रसाद, कंज्यूमर फॉर्म्स ऑफिसर अनिल कुमार सक्सेना तथा एडवोकेट अखिलेश कुमार वर्मा।



गाज़ियाबाद-कविनगर(उ.प्र.)। ज्ञानचर्चा के पश्चात् प्रसिद्ध न्यूमेरो व वास्तु एक्सपर्ट अरविंद सूद व उनकी धर्मपत्नी को ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. राजेश बहन।